DX-1901030401020001 Seat No. _____

B. A. (Sem. II) (CBCS) (W.E.F. 2019) Examination

April - 2022

Hindi

(आधुनिक हिन्दी काव्य : पंचवटी एवं व्याकरण (अनिवार्य))

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : (1) सभी प्रश्नों के गुण समान हैं ।
(2) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1 मैथिलिशरण गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए । **14**

2 खंडकाव्य के लक्षणों की चर्चा करते हुए 'पंचवटी' का मूल्यांकन कीजिए । **14**

3 'पंचवटी' काव्य की कथावस्तु लिखकर उसका उद्देश्य स्पष्ट कीजिए । **14**

4 'पंचवटी' काव्य में इतिहास और कल्पना का सुन्दर समन्वय हुआ है । चर्चा कीजिए । **14**

5 'पंचवटी' खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण का चरित्र चित्रण कीजिए । **14**

6 'पंचवटी' काव्य के आधार पर सीता और शूर्पणखा के चरित्र की तुलना कीजिए । **14**

7 'पंचवटी' प्रबंध में व्यक्त आदर्श राजनीति के संदर्भ में चर्चा कीजिए । **14**

8 'पंचवटी' काव्य में निरूपित प्रकृति चित्रण की समीक्षा कीजिए । **14**

9 टिप्पणी लिखिए : **14**
(अ) 'पंचवटी' काव्य का शीर्षक ।
(ब) 'पंचवटी' काव्य की संवादयोजना ।

10 पल्लवन कीजिए : **14**

(अ) मनःप्रसाद चाहिए केवल

कथा कुटिर फिर क्या प्रासाद ?

(ब) संक्षेपण कीजिए :

ईश्वर को न तो मानव के प्रयासों की अपेक्षा है और न वह मानव से अपने अनुग्रहों का प्रतिदान ही चाहता है । वह स्वयं राजाधिराज है । उसके संकेत मात्र से उसके असंख्य गण पृथ्वी, आकाश और सागर छान डालते हैं । उनके समक्ष क्षुद्र मानव के प्रयासों का कोई मूल्य नहीं ! जो मनुष्य उसके निर्धारित पथ पर प्रसन्नतापूर्वक चलता रहता है, वही ईश्वर का सच्चा सेवक है । जिसे ईश्वर में अविचल श्रद्धा है । सांसारिक दृष्टि से कोई काम न करने पर भी उसकी गणना ईश्वर के सेवकों में होती है । उसका जीवन निरर्थक नहीं होता ।